Jai Maa Saraswati Gyandayini
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed)
Journal home page: www.jmsjournals.in, ISSN: 2454-8367
Vol. 08, Issue-III, Jan. 2023

दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रणः एक समीक्षात्मक अध्ययन
(Adulteration in Milk and Milk Products: A Analytical Study)

Chetna Sharma[a,*] **Dr. Shiv Pratap Singh Raghav**[b,**]
[a] *Ph.D. Scholar (Law), Mahatma Gandhi College of Law, Jiwaji University Gwalior, Madhya Pradesh,(India).*
[b] *Professor & Principal, Mahatma Gandhi College of Law, Jiwaji University Gwalior, Madhya Pradesh,(India).*

KEYWORDS
दूध, पोषक तत्व, दुग्ध में मिलावट से होने वाली बीमारियाँ, अधिक मुनाफा कमाने की चाहत, बढ़ती प्रतिर्स्पधा

ABSTRACT
दूध हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, एवं दूध अनमोल है क्योंकि वह मानव शरीर के लिए अमृत तुल्य होता है। जिस प्रकार अमृत पान करने से व्यक्ति की उम्र बढ़ जाती है, उसी प्रकार दूध पीने से व्यक्ति को शरीर के संचालन हेतु पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त होती है और शरीर वलिष्ठ बन जाता है। यदि मिलावटी दूध व दूध से बने पदार्थो का सेवन किया गया, तो व्यक्ति को बहुत सी बीमारियाँ हो जाती हैं। कई चिकित्सकों का तो यहॉ तक मानना है, कि कैंसर जैसी लाईलाज बीमारी भी हो सकती हैं। दूध ना केवल पेय पदार्थ है, बल्कि संपूर्ण आहार भी है, जो कि अनेक रोगों को नष्ट करता है। दूध में खनिज तत्व, प्रोटीन, वसा, शर्करा, पानी, आदि पदार्थों का समावेश होता है। जो कि शरीर के लिए अति आवश्यक है, परंतु आज मिलावटी दौर में इसके सेवन से न केवल बच्चों में बल्कि महिलाओं में भी कैंसर व अन्य प्रकार की बीमारियाँ होने की संभावना बनी रहती है। इस शोध पत्र के माध्यम से दुग्ध से बने खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट से मानव समाज के प्रत्येक व्यक्ति को होने वाले रोगों के बारें अध्ययन कर समाज को जागरूक करना है।

प्रस्तावना

प्रत्येक व्यक्ति को जीवित एवं स्वस्थ रहने के लिए शुद्ध भोजन के साथ–साथ खाने पीने वाली सभी वस्तुयें शुद्ध व पौष्टिक होनी आवश्यक है। यदि खाद्य पदार्थ शुद्ध नही होते है, तो व्यक्ति कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। वर्तमान समय में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिर्स्पधा बढ़ती जा रही है, जिसकी बजह से खाद्य पदार्थों में अक्सर मिलावट कर खाद्य पदार्थ विनिर्माता व दुकानदारों के द्वारा कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने की कोशिश की जाती है। जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज पदार्थ जैसे कि कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, जल तथा प्रोटीन इत्यादि आवश्यक पोषक तत्वों की गुणवत्ता कम हो जाती है। भोजन केवल जीवित रहने के लिए नही किया जाता, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन बिताने के लिए शुद्ध भोजन आवश्यक होता हैं। जिससे शरीर का क्रमिक विकास होता है। यदि बढ़ते हुए बच्चों को भोजन में सभी आवश्यक पोषक तत्व नही मिलते है, तो बच्चें कई रोगों से ग्रसित हो जाते है, जैसे कि बच्चों का जन्मजात विकलांग होना, कुपोषण होना, खून कमी, डायरिया, सर्दी, खॉसी, जुखाम, बुखार, कैंसर आदि।

दुग्ध उत्पादों/पदार्थों की आवश्यकता

दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों के सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है एंव शरीर बलिष्ठ हो जाता है। क्योकि दूध में कैल्शियम ओर जरुरी विटामिन्स मिलते है, दूध पोषक तत्वों का प्रारम्भिक स्रोत है। दूध एक ऐसे प्रकार का पोषक तत्व है, जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स एवं शरीर के लिए आवश्यक सभी खनिज तत्व मिलते है। दूध हमें मुख्यतः गाय, भैंस, बकरी व भेंड़ों से मिलता है। दूध सामान्य तौर पर एक तरल पदार्थ है जो उत्पादों के रुप में भी इस्तेमाल किया जाता है। दूध कई रुपों में उत्पादों के रुप में बेंचने से पहले तैयार किया जाता है तथा इसके कई रुप है, जैसे कि टोन्ड, डबल टोड, पाश्चुरीकृत, सांद्रित आादि एवं इसका तरल रुप पेय पदार्थ के उपयोग में आता है। दूध के द्वारा अनेक खाद्य पदार्थो का उत्पादन किया जाता है, जैसे कि

Corresponding author
***E-mail:** chetnabharadwaj88@gmail.com (Chetna Sharma). https://orcid.org/0000-0001-7236-7504
****E-mail:** shivpforlegalresearch@gmail.com (Dr. S. P. S. Raghav). https://orcid.org/0000-0002-8667-5572
DOI: https://doi.org/10.53724/jmsg/v8n3.08
Received 16th Nov. 2022; Accepted 15th Dec. 2022; Available online 30th Jan. 2023
2454-8367 /©2023 The Journal. Publisher: Welfare Universe. This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

पनीर, मावा, दही आादि उत्पादों के रुप में प्रयोग किया जाता है।

अपर्याप्त व मिलावटी भोजन का प्रभाव

जब दैनिक जीवन में भोजन अपर्याप्त हो और मिलावटी भी हो तो भोजन ग्रहण करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ पर दोहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ नकारात्मक प्रभाव निम्नलिखित है–

शरीर में वसा की मात्रा का कम होना, श्वास सम्बन्धी बीमारियाँ, शरीर का तापमान कम होना, ठंड ज्यादा लगना, थकान होना, चिड़चिड़ापन, प्रजनन से सम्बन्धित समस्यायें, बीमारियों के ठीक होने में देरी, हृदय रोग, अंगो का निष्क्रिय होना, चेहरे पर कुरूपता, बालों का गिरना व झड़ना।

दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रण के कारण

- **कम लागत में अधिक मुनाफा**
  प्रत्येक व्यक्ति कम लागत लगाकर ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना चाहता है। लेकिन जब वह ऐसा नही कर पाता है, तब वह उत्पादों में मिलावट का कार्य करने लगता है।
- **स्वाद बढ़ाने के लिए**
  वर्तमान समय में व्यवसाय बढ़ाने के लिए अपने उत्पादों का स्वाद बढ़ाने की भी कोशिश करता है। इसके लिए उसको उत्पादों में कुछ अन्य पदार्थों को मिलाकर सवाद बढ़ाने की कोशिश करते है। जैसे कि घी में शुद्ध घी की जैसी खुशबू के लिए सेन्ट का उपयोग करते है। दूध में वसा की मात्रा बढ़ाने के लिए रिफाइन्ड ऑयल को मिलाने का कार्य करते है।
- **उत्पादों को खराब होने से बचाने के लिए मिलावट**
  दूध व दूध से बने उत्पादों को अधिक से अधिक 2–3 दिन में खराब हो जाते है। इनको अधिक दिनों तक सही बनाये रखने के लिए कुछ रासायनिक पदार्थों का मिश्रण किया जाता है। जिससे अधिक दिनों तक इनको खराब होने से बचाया जा सकता है।
- **रंग, सुगन्ध व बनावट को आकर्षक बनाने के लिए**
  दूध व दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए रंग, सुगन्ध व बनावट एक अहम भूमिका निभाती है। इनको देखकर ग्राहक आकर्षित होते है, ओर उच्च कीमतों पर भी उपर्यक्त पदार्थों को खरीद लेते है।
- **खाद्य पदार्थों की अपर्याप्ता**
  भारत में दूध वदूध से बने उत्पादों की मॉग अक्सर त्योहारों के समय में ज्यादा बढ़ जाती है। जिससे इनकी पूर्ति न होने के कारण इन पदार्थों में दुकानदारों एवं बिक्रेताओं के द्वारा मिलावट की जाती है। और त्योहारों के समय में इनको पकड़ना आसान नही होता है। क्योकि आमजन के खरीदने के कारण उपर्युक्त उत्पाद घरों में पहुँच जाते है, जिनसे तुरन्त ही पकवान बन जाते है।
- **दुधारू प्रजाति वाली मवेशियों की संख्या में कमी**
  दूध देने वाले मवेशियों की संख्या लगातार कम होती जाती है। जिससे दूध का उत्पादन लगातार कम होता जा रहा है। यह कारण भी मिलावट का एक बड़ा कारण है।
- **चारे की बढ़ती कीमते**
  मॅहगाई के इस दौर में चारे की बढ़ती कीमतों के कारण किसानों के द्वारा अब मवेशियों का पालन करना कम कर दिया है। क्योंकि दूध की कीमतों की अपेक्षा चारे की कीमत अधिक होने के कारण मवेशियों को पालने वाले व्यक्तियों एवं किसानों को घाटा हो जाता है।
- **गरीबी**
  हमारे देश को अतीत में कृषि प्रधान देश कहा जाता था, इसका कारण ये भी था कि लोग अधिकतर कृषि कार्यो पर निर्भर थे, और कृषि के अधिकतर कार्य पालतु मवेशियों के द्वारा किये जाते थे। लेकिन अब कृषि कार्य भी अत्याआधुनिक मशीनों द्वारा किये जाने लगे है, जिसके कारण भी मवेशियों को पालने के सिलसिला कम हो गया है। इसका प्रमुख कारण गरीबी भी है क्योकि मवेशियों के पालन पोषण में खर्च अधिक हो जाता है। जबकि मशीनों द्वारा खेती करना सस्ता पड़ता है।
- **व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा**
  मिलावट के लिये व्यावसायिक प्रतिर्स्पधा भी एक कारण है। जिसकी बजह से उत्पादों को कम कीमत पर बेचने के लिए बिक्रेताओं के द्वारा मिलावट करके सस्ते दामों में बेच देते है। कुछ बिक्रेताओं के द्वारा उत्पादों की तौल में कमी कर देते हैं जिससे उनका वनज कम हो जाता है, और उसको सस्ते दामों में बेचा जा सकता है।

- **जनसंख्या वृद्धि**
  जन संख्या वृद्धि के कारण उत्पादों की लगातार मॉग बढ़ती जाती है। उस मॉग की पूर्ति करने के लिए उत्पाद बनाने वाले व बिक्रेताओं के द्वारा मिलावट की जाती है।

दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रण से सम्बन्धित कानूनी दृष्टिकोण

- खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006
- खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019
- संवैधानिक प्रावधान
- भारतीय दण्ड संहिता, 1860
- दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973

दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रण को रोकने के लिए न्यायिक दृष्टिकोण

विन्सेट पनिकुर्लान्गारा बनाम् भारत संघ और अन्य[1] के मामले में उच्चतम न्यायालय ने स्वास्थ्य के अधिकार को अनुच्छेद 21 के भीतर तलाशने का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था और यह देखा था कि इसे सुनिश्चित करना, राज्य की एक जिम्मेदारी है। **कंज्यूमर एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर बनाम् भारत संघ**[2] में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह माना गया था कि संविधान के अनुच्छेद 39(C)[3]– आर्थिक व्यवस्था इस प्रकार चले जिससे धन और उत्पादन साधनों का सर्वसाधारण के लिये अहितकारी संक्रेदण न हो।

सामाजिक दृष्टिकोण

शोधार्थिनी द्वारा इस भाग में अनुभवाश्रित पद्वति को अपनाकर प्रश्नावली के माध्यम से ये जानने की कोशिश की है, कि मध्य प्रदेश राज्य के ग्वालियर शहर में दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रण के बारे में एवं वर्तमान में प्रचलित कानूनों के बारे मे जनसामान्य की क्या विचारधारा या राय है। जिसके सन्दर्भ में शोधार्थिनी द्वारा 200 व्यक्तियों से जिनमें 100 पुरूष एवं 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से ऑनलाइन व ऑफलाइन पद्वति का उपयोग करते हुए ग्वालियर जिले में शोध कार्य किया गया है एवं शोधार्थिनी द्वारा विभिन्न प्रकार के शोध ऑकड़ों का उपयोग किया गया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

ग्वालियर जिले के ऑकड़ों का विश्लेषण

शोधार्थिनी द्वारा ग्वालियर जिले में **मध्य प्रदेश राज्य के ग्वालियर जिले में दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में अपमिश्रण एवं उससे सम्बन्धित खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों का जनसामान्य में प्रभाव का अनुभवाश्रित अध्ययन** करने के लिए ग्वालियर जिले के विभिन्न तहसीलों से शहरी क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्रों में व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाकर जनता की राय जानने की कोशिश की गई।

जिनका विवरण निम्नलिखित है–

तालिका 01

उर्पयुक्त वर्णित समस्या का अनुभव आश्रित अध्ययन करने के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से ग्वालियर जिले के 100 महिलाओं व 100 पुरूषों को शामिल किया गया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

प्रश्न सं. 01: क्या आप दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट के बारे में जानते हैं?

प्र.क.– 01 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	70	70.00	93	93
नहीं	30	30.00	7	7.00
कुल	100	100	100	100

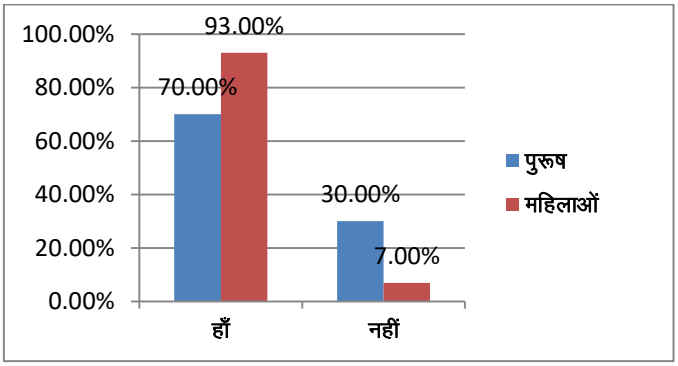

उत्तर सं. 01: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 70 पुरूष व 93 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका

प्रतिशत क्रमशः 70.00 व 93.00 है। 30 पुरूष व 7 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 30.00 व 7.00 है।

प्रश्न सं. 02: क्या आप दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों का दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं?

प्र.क्र.– 02 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	90	90.00	95	95.00
नहीं	10	10.00	5	5.00
कुल	100	100	100	100

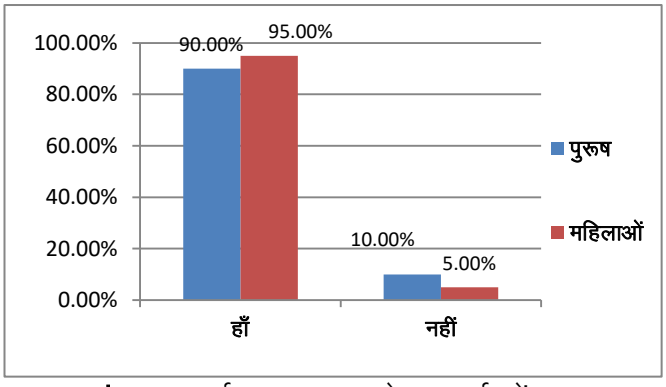

उत्तर सं. 02: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 90 पुरूष व 95 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 90.00 व 95.00 है। 10 पुरूष व 05 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 5.00 है।

प्रश्न सं. 03: दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट एक अपराध हैं, के बारे में आपको कैसे पता चला ?

प्र.क्र.– 03 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
पड़ोसी से	05	5.00	35	35.00
मित्रों से	10	10.00	20	20.00
समाचार पत्रों से	40	40.00	17	17.00
सामाजिक संस्थाओं से	15	15.00	08	8.00
कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों से	30	30.00	20	20.00
कुल	100	100	100	100

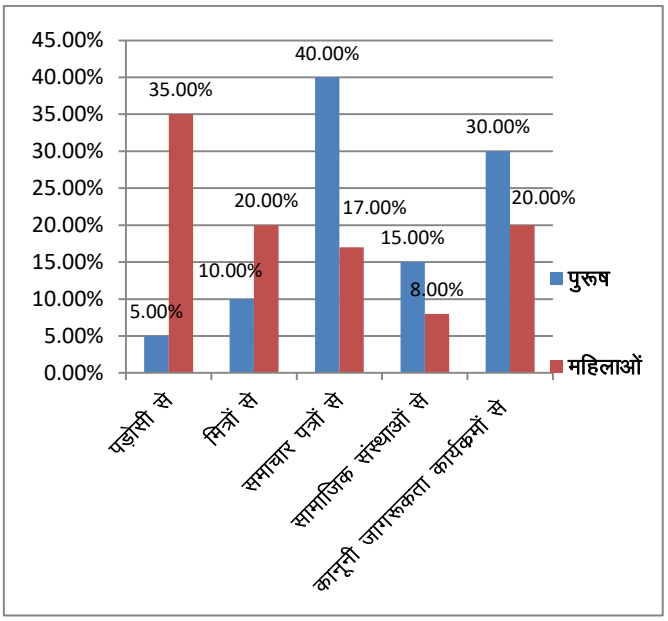

उत्तर सं. 03: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 05 पुरूष व 35 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**पड़ोसी से**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 5.00 व 35.00 है। 10 पुरूष व 20 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**मित्रों से**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 20.00 है। 40 पुरूष व 17 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**समाचार पत्रों से**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 40.00 व 17.00 है। 15 पुरूष व 17 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**सामाजिक संस्थाओं से**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 15.00 व 17.00 है। 30 पुरूष व 20 महिला उत्तरदाताओं ने

उत्तर दिया– ''**कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों से**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 30.00 व 20.00 है।

प्रश्न सं. 04: क्या आपने दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट महसूस की हैं?

प्र.क्र.– 04 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	40	40.00	80	80.00
नहीं	15	15.00	05	5.00
कभी–कभी	45	45.00	15	15.00
कुल	100	100	100	100

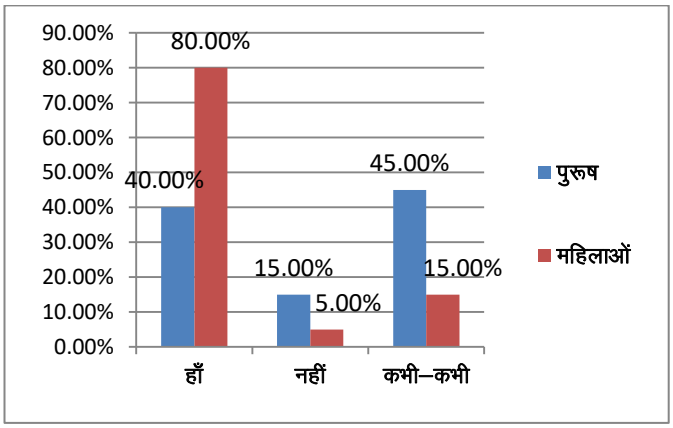

उत्तर सं. 04: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 40 पुरूष व 80 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 40.00 व 80.00 है। 15 पुरूष व 05 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 15.00 व 5.00 है। 45 पुरूष व 15 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कभी–कभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 45.00 व 15.00 है।

प्रश्न सं. 05: आप बता सकते है कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में किन–किन पदार्थों की मिलावट होती हैं?

प्र.क्र.– 05 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
शैम्पू/डिटरजेन्ट	20	20.00	23	23.00
यूरिया	10	10.00	12	12.00
कास्टिक सोड़ा	15	15.00	21	21.00
फॉरमैलिन	3	3.00	2	2.00
अन्य	12	12.00	8	8.00
उपरोक्त सभी	40	40.00	34	34.00
कुल	100	100	100	100

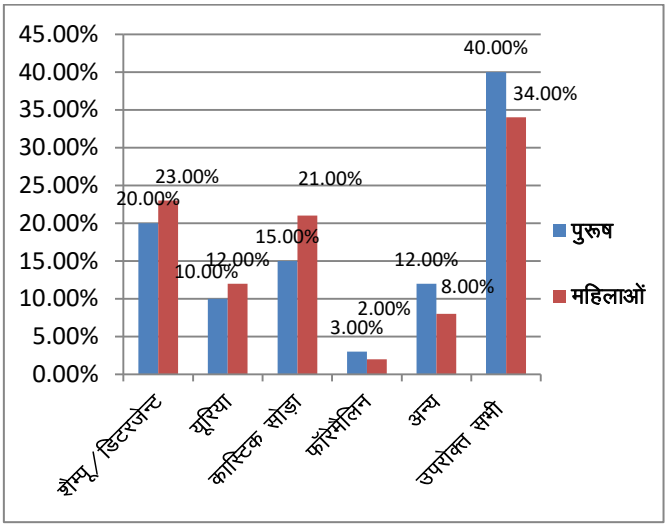

उत्तर सं. 05: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 20 पुरूष व 23 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**शैम्पू/डिटरजेन्ट**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 20.00 व 23.00 है। 10 पुरूष व 12 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**यूरिया**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 12.00 है। 15 पुरूष व 42 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कास्टिक सोड़ा**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 15.00 व 21.00 है। 03 पुरूष व 02 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**फॉरमैलिन**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 3.00 व 2.00 है। 12 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**अन्य**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 12.00 व

8.00 है। 40 पुरूष व 34 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**अन्य**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 40.00 व 34.00 है।

प्रश्न सं. 06: दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट के बारें में आपने कभी दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों के बिक्रेता से पूछताछ की हैं?

प्र.क्र.– 06 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	43	43.00	60	60.00
नहीं	10	10.00	3	3.00
कभी–कभी	47	47.00	37	37.00
कुल	100	100	100	100

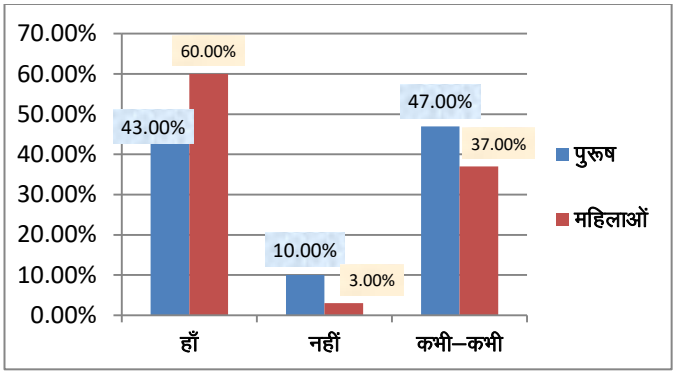

उत्तर सं. 06: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 43 पुरूष व 60 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 43.00 व 60.00 है। 10 पुरूष व 03 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 3.00 है। 47 पुरूष व 37 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कभी–कभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 47.00 व 37.00 है।

प्रश्न सं. 07: क्या आप बता सकते है दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट किस क्षेत्र में सर्वाधिक प्रचलित हैं?

प्र.क्र.– 07 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
ग्वालियर	22	22.00	18	18.00
डबरा	13	13.00	10	10.00
भितरवार	10	10.00	12	12.00
चिनौर	08	8.00	08	8.00
घाटीगॉव	07	7.00	08	8.00
तानसेन	12	12.00	15	15.00
मुरार	13	13.00	13	13.00
सिटी सेन्टर	15	15.00	16	16.00
कुल	100	100	100	100

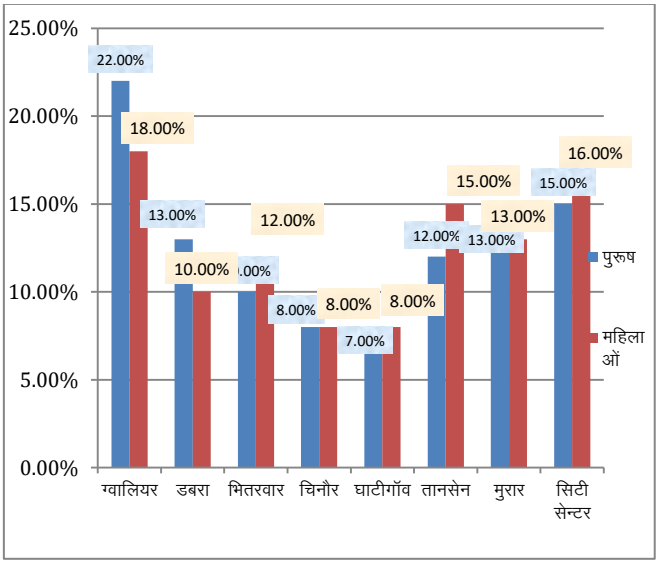

उत्तर सं. 07: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 22 पुरूष व 18 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**ग्वालियर**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 22.00 व 18.00 है। 13 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**डबरा**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 13.00 व 10.00 है। 10 पुरूष व 12 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**भितरवार**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 12.00 है। 08 पुरूष व

08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**चिनौर**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8.00 व 8.00 है। 07 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**घाटीगॉव**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 7.00 व 8.00 है। 12 पुरूष व 15 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**तानसेन**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 12.00 व 15.00 है। 13 पुरूष व 13 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**मुरार**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 13.00 व 13.00 है। 15 पुरूष व 16 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**सिटी सेन्टर**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 15.00 व 16.00 है।

प्रश्न सं. 08: आप बता सकते है दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट के क्या कारण हैं?

प्र.क.– 08 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
उत्पाद की अपर्याप्तता	08	8.00	10	10.00
मुनाफाखोरी	24	24.00	40	40.00
मवेशियों की कमी	08	8.00	07	7.00
गरीबी	02	2.00	05	5.00
पशुओं के चारे की महँगाई	08	8.00	08	8.00
उपरोक्त सभी	50	50.00	30	30.00
कुल	100	100	100	100

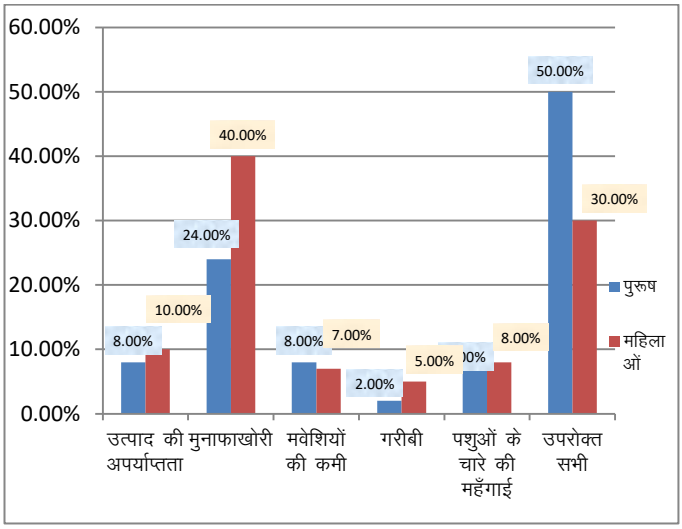

उत्तर सं. 08: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 8 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उत्पाद की अपर्याप्तता**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8.00 व 10.00 है। 24 पुरूष व 40 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**मुनाफाखोरी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 24.00 व 40.00 है। 08 पुरूष व 07 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**मवेशियों की कमी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8. 00 व 7.00 है। 02 पुरूष व 05 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**गरीबी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 2.00 व 5.00 है। 08 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**पशुओं के चारे की महँगाई**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8.00 व 8.00 है। 50 पुरूष व 30 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 50.00 व 30.00 है।

प्रश्न सं. 09: क्या आप बता सकते हैं कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता हैं?

प्र.क.– 09 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
कैंसर	05	5.00	10	10.00
हृदयाघात	08	8.00	12	12.00
लीवर सम्बन्धी बीमारियाँ	12	12.00	8	8.00
पेट सम्बन्धी बीमारियाँ	16	16.00	23	23.00
उच्च/निम्न रक्तचाप	10	10.00	08	8.00
उपरोक्त सभी	49	49.00	39	39.00
कुल	100	100	100	100

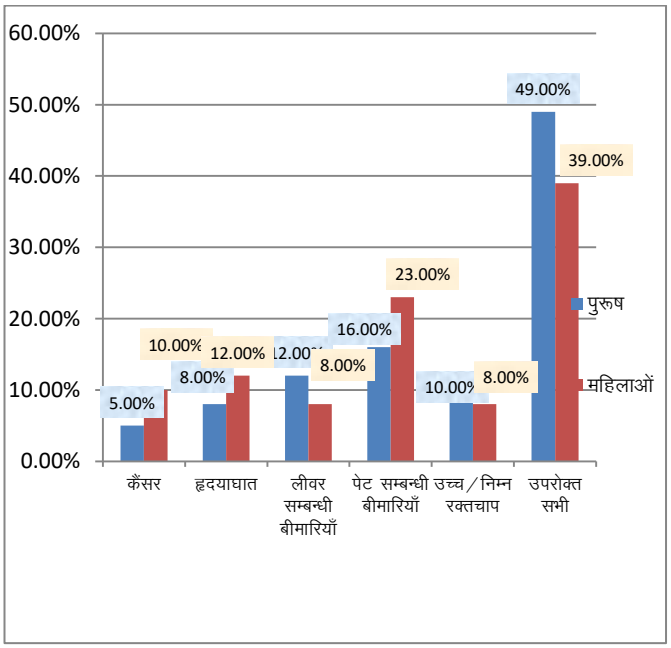

उत्तर सं. 09: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 05 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कैंसर**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 5.00 व 10.00 है। 08 पुरूष व 12 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**हृदयाघात**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8.00 व 12.00 है। 12 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**लीवर सम्बन्धी बीमारियाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 12.00 व 8. 00 है। 16 पुरूष व 23 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**पेट सम्बन्धी बीमारियाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 16.00 व 23.00 है। 10 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उच्च/निम्न रक्तचाप**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 8.00 है। 49 पुरूष व 39 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 49.00 व 39.00 है।

प्रश्न सं. 10: क्या आप बता सकते हैं कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट आपके आस–पास के क्षेत्र में हैं?

प्र.क.– 10 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	45	45.00	52	52.00
नहीं	23	23.00	08	8.00
कभी–कभी	32	32.00	40	40.00
कुल	100	100	100	100

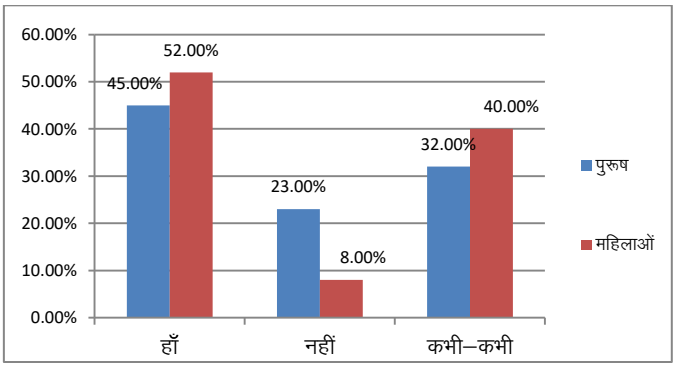

उत्तर सं. 10: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 45 पुरूष व 52 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 45.00 व 52.00 है। 23 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 23.00 व 8.00 है। 32 पुरूष व 40 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कभी–कभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 32.00 व 40.00 है।

प्रश्न सं. 11: क्या आप बता सकते है कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट से सम्बन्धित किसी कानून के बारे में जानते हैं ?

प्र.क.– 11 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	71	71.00	55	55.00
नहीं	18	18.00	08	8.00
मुझे कौन बताता	22	11.00	37	37.00
कुल	200	100	200	100

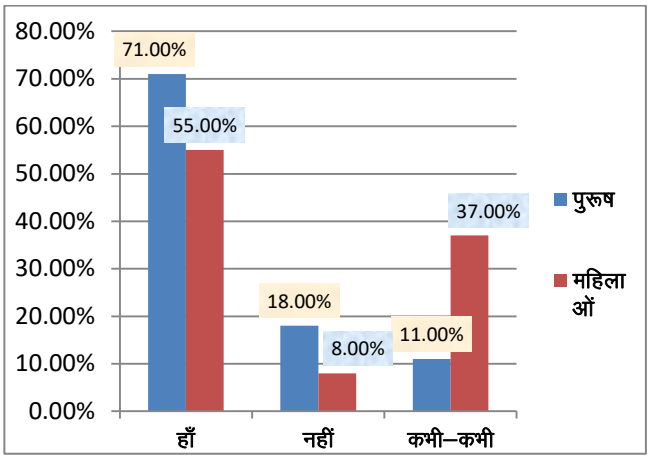

उत्तर सं. 11: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 71 पुरूष व 55 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 71.00 व 55.00 है। 18 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 18.00 व 8.00 है। 22 पुरूष व 37 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कभी–कभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 11.00 व 37.00 है।

प्रश्न सं. 12: क्या आप बता सकते है कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट से सम्बन्धित कौन–कौन से कानून हैं ?

प्र.क्र.– 12 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
भारतीय संविधान, 1950	05	5.00	08	8.00
भारतीय दण्ड संहिता, 1860	2	2.00	05	5.00
खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006	50	50.00	45	45.00
उपरोक्त सभी	40	40.00	40	40.00
उपरोक्त में से कोई नही	3	3.00	2	2.0
कुल	100	100	100	100

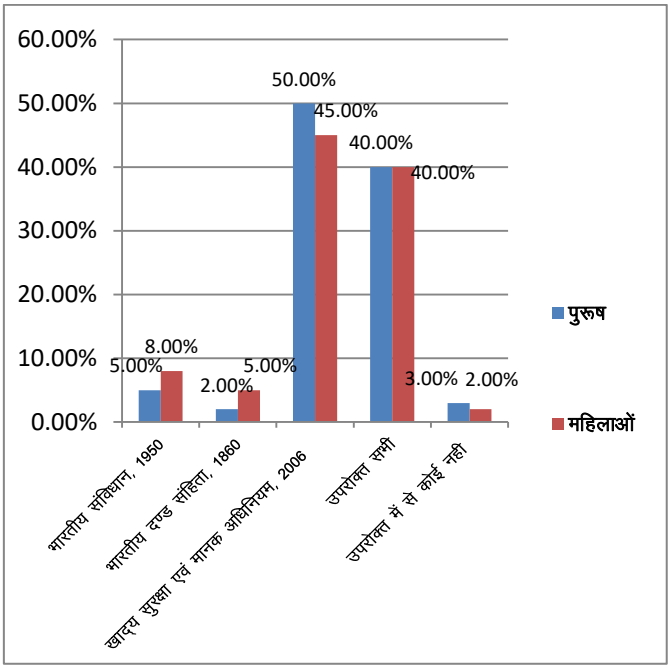

उत्तर सं. 12: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 05 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**भारतीय संविधान, 1950**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 5.00 व 8.00 है। 2 पुरूष व 05 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**भारतीय दण्ड संहिता, 1860**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 2.00 व 5.00 है। 50 पुरूष व 45 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 50.00 व 45.00 है। 40 पुरूष व 40 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 40.00 व 40.00 है। 5 पुरूष व 5 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त में से कोई नही**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 3.00 व 2.00 है।

प्रश्न सं. 13: क्या आप बता सकते है कि दुग्ध एवं दुग्ध

से बने उत्पादों में मिलावट से सम्बन्धित शिकायत कहॉ पर कर सकते हैं?

प्र.क.– 13 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सम्बन्धित खाद्य सुरक्षा अधिकारी	24	24.00	22	22.00
खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण	17	17.00	15	15.00
जिला मजिस्ट्रेट	05	5.00	05	5.00
उपरोक्त सभी	54	54	58	58.00
कुल	100	100	100	100

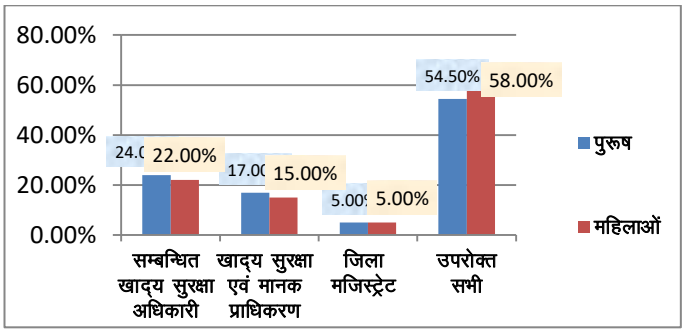

उत्तर सं. 13: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 24 पुरूष व 22 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**सम्बन्धित खाद्य सुरक्षा अधिकारी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 24.00 व 22.00 है। 17 पुरूष व 15 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 17.00 व 15.00 है। 05 पुरूष व 05 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**जिला मजिस्ट्रेट**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 5.00 व 5.00 है। 54 पुरूष व 58 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 54.00 व 58.00 है।

प्रश्न सं. 14: क्या आपने दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए शिकायत की हैं?

प्र.क.– 14 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हॉ	22	22.00	25	25.00
नहीं	40	40.00	38	38.00
कभी–नहीं	38	38.00	37	37.00
कुल	100	100	100	100

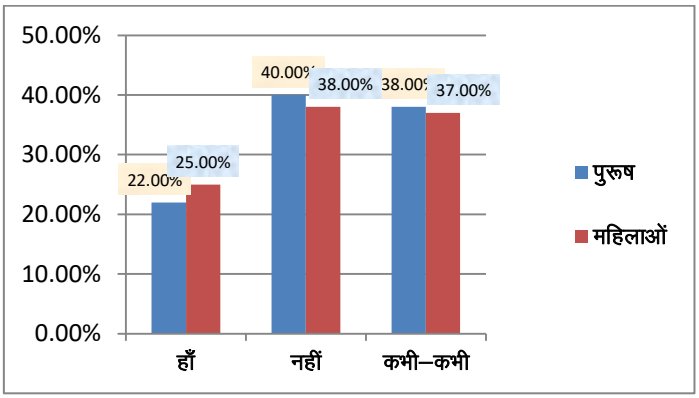

उत्तर सं. 14: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 22 पुरूष व 25 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हॉ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 22.00 व 25.00 है। 40 पुरूष व 38 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 40.00 व 38.00 है। 38 पुरूष व 36 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**कभी–कभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 38.00 व 36.00 है।

प्रश्न सं. 15: क्या आप मानते हैं कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए बनाये गये कानून प्रभावकारी हैं?

प्र.क.– 15 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत

हॉ	33	33.00	25	25.00
नहीं	18	18.00	20	20.00
आंशिक प्रभावी	43	43.00	36	36.00
बिल्कुल प्रभावी नही है	06	06.00	19	19.00
कुल	100	100	100	100

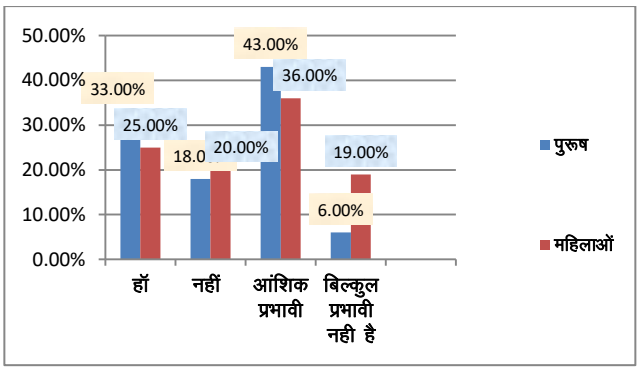

उत्तर सं. 15: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 33 पुरूष व 25 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हॉ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 33.00 व 25.00 है। 18 पुरूष व 20 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 18.00 व 20.00 है। 43 पुरूष व 36 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**आंशिक प्रभावी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 43.00 व 36.00 है। 06 पुरूष व 19 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**बिलकुल प्रभावी नही है**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 6.00 व 19.00 है।

प्रश्न सं. 16: क्या आप मानते हैं कि दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए बनाये गये कानूनों में परिवर्तन होना चाहिये ?

प्र.क.– 16 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हॉ	87	87.00	90	90.00
नहीं	13	13.00	10	10.00
कुल	100	100	100	100

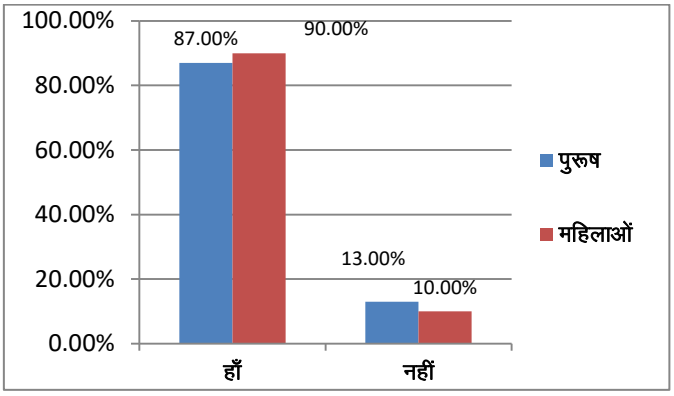

उत्तर सं. 16: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 87 पुरूष व 90 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हॉ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 87.00 व 90.00 है। 13 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 13.00 व 10.00 है।

प्रश्न सं. 17: क्या आपके परिवार में कोई दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों की मिलावट से पीड़ित हुआ हैं ?

प्र.क.– 17 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हॉ	42	42.00	40	40.00
नहीं	58	58.00	60	60.00
कुल	100	100	100	100

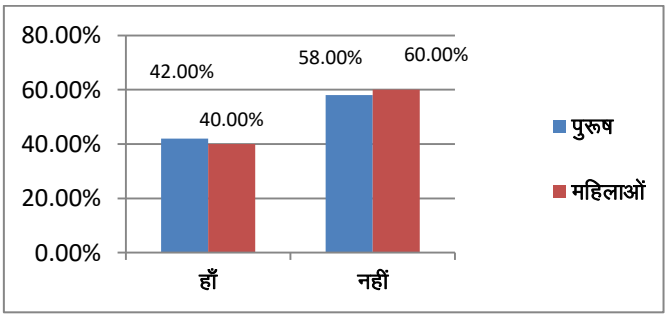

उत्तर सं. 17: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 42 पुरूष व 40 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 42.00 व 40.00 है। 58 पुरूष व 60 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 58.00 व 60.00 है।

प्रश्न सं. 18: क्या आपके क्षेत्र में मिलावट से सम्बन्धित विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हैं ?

प्र.क्र.– 18 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
हाँ	30	30.00	28	28.00
नहीं	70	70.00	72	72.00
कुल	100	100	100	100

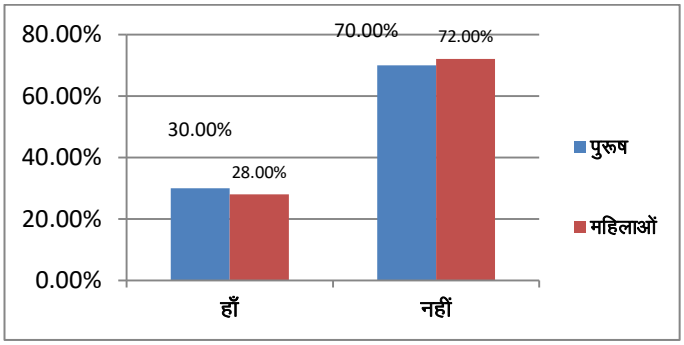

उत्तर सं. 18: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 30 पुरूष व 28 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया–''**हाँ**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 30.00 व 28.00 है। 70 पुरूष व 72 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 70.00 व 72.00 है।

प्रश्न सं. 19: आपके क्षेत्र में मिलावट से सम्बन्धित विधिक जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन किसके द्वारा किया गया?

प्र.क्र.– 19 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सरकार	06	6.00	10	10.00
समाजसेवी संस्था	10	10.00	10	10.00
विधिक सेवा प्राधिकरण	08	8.00	08	8.00
खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण	07	7.00	06	6.00
उपर्युक्त सभी	33	33.00	30	30.00
उपर्युक्त में से कोई नहीं	36	36.00	36	36.00
कुल	100	100	100	100

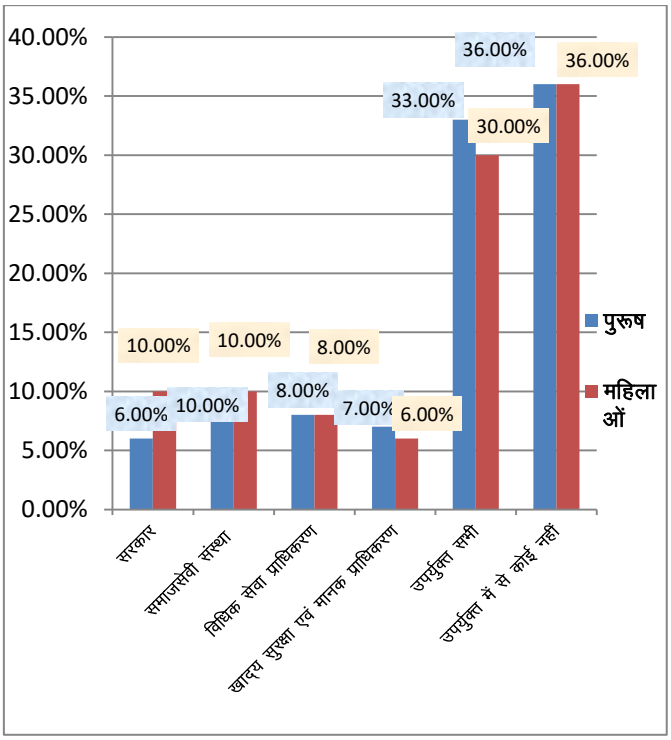

उत्तर सं. 19: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के

माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 06 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**सरकार**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 6.00 व 10.00 है। 10 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**समाजसेवी संस्था**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 10.00 व 10.00 है। 08 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**विधिक सेवा प्राधिकरण**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 8.00 व 8.00 है। 07 पुरूष व 06 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 7.00 व 6.00 है। 33 पुरूष व 30 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपर्युक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 33.00 व 30.00 है। 36 पुरूष व 36 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त में कोई नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 36.00 व 36.00 है।

प्रश्न सं. 20: दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेगें ?

प्र.क.– 20 तालिका

उत्तर	पुरूष		महिलाओं	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
जन सामान्य की प्रयोगशालाओं तक पहुँच	06	6.00	08	8.00
समाजसेवी संस्थाओं द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य किये जाने चाहिये	07	7.00	09	9.00
उच्च नश्ल वाले दुग्धधारी मवेशियों की संख्या में वृद्वि	06	6.00	10	10.00
दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का संयुक्त कियान्वयन	11	11.00	07	7.00
उपर्युक्त सभी	68	68.00	63	63.00
उपर्युक्त में से कोई नहीं	02	2.00	3	3.00
कुल	100	100	100	100

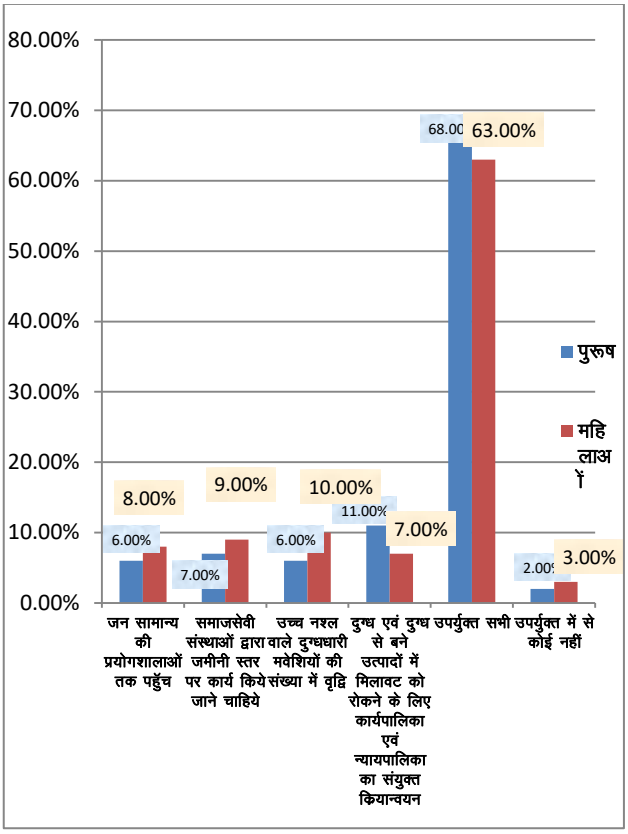

उत्तर सं. 20: उर्पयुक्त प्रश्न के सन्दर्भ में कुल 200 पुरूष व महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें 100 पुरूष व 100 महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न किये गये, जिनमें से 06 पुरूष व 08 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**जन सामान्य की प्रयोगशालाओं तक पहुँच**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 6.00 व 8.00 है। 07 पुरूष व 09 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**समाजसेवी संस्थाओं द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य किये जाने चाहिये**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 7. 00 व 9.00 है। 06 पुरूष व 10 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उच्च नश्ल वाले दुग्धधारी मवेशियों की संख्या में वृद्वि**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 6.00 व 10.00 है। 11 पुरूष व 07 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर

दिया– ''**दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का संयुक्त क्रियान्वयन**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 11.00 व 7.00 है। 137 पुरूष व 126 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपर्युक्त सभी**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 68.00 व 63.00 है। 02 पुरूष व 03 महिला उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया– ''**उपरोक्त में कोई नहीं**'' जिनका प्रतिशत क्रमशः 2.00 व 3.00 है।

उपसंहार

दुधारू प्रजाति की मवेशियों की कमी के कारण हमारे देश में दूध उत्पादन में कमी आई हैं, एवं पाश्चुरीकृत दूध के उत्पादन को बढ़ावा मिलने के कारण लोगों ने मवेशियों को पालना कम कर दिया हैं। दूसरी ओर पाश्चुरीकृत दूध की कीमत पालतू मवेशियों से मिलने वाले दूध की अपेक्षा कम होती है। एक समय वह था जब हमारे देश में दूध उत्पादन अधिक मात्रा में होता था, और हमारे देश की अधिकतर अबादी कृषि एवं मवेशियों पर निर्भर थी। परंतु आज जनसंख्या वृद्धि के कारण दूध की पूर्ति नहीं हो पाती हैं, जिसका लाभ दूध का व्यापार करने पाली कंपनियां उठाती है, एवं गुणवत्ता युक्त और एकदम नई पैकिंग का लालच देकर ग्राहकों को आकर्षित करती है, ये भी रोगों का एक बड़ा कारण है। आज के समय में लोगों की दैनिक चर्या में आने वाले बदलाव के कारण पेकिंग वाले दूध की माँग लगातार बढ़ती जा रही है। साथ ही दूध पावडर की मांग भी बढ़ रही है। वसायुक्त एवं वसारहित दूध दोनों का ही बिक्रय अधिक होता है। आजकल कंपनियों द्वारा खास ऐसी पैकिंग की जा रही है, जिसमें दूध लगभग तीन महीने तक खराब नहीं होता।

सुझाव

उर्पयुक्त अध्ययन के आधार पर सुझाव निम्नलिखित है

1. खाद्य पदार्थो को निर्मित/उत्पादन करने वाली कम्पनियों के द्वारा बाजार में उत्पाद बेंचने से पहले उनका सेंम्पल लेकर सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा जॉच करवायी जायें। मानको को पूरा न करने वाले खाद्य पदार्थों को बाजार में बेंचने से प्रतिबन्धित किया जाये।
2. न्यायालयों को चाहिए कि वह विचाराधीन मामलों को एक निश्चित समय सीमा में निपटाये। और जिन उत्पाद कम्पनियों के मामलें विचाराधीन है उनको अन्य खाद्य पदार्थो को निर्मित करने से जब तक के लिए प्रतिबन्धित कर देना चाहिये।
3. सरकार को चाहिये की जनसंख्या के आधार पर खाद्य पदार्थों की आपूर्ति विभाग की एक–एक ईकाई प्रत्येक गॉव स्तर तक स्थापित की जानी चाहिये।
4. सरकार को चाहिये की खाद्य पदार्थों व दूग्ध निर्मित होने वाले पदार्थों के लिए नियम व कानूनों का निर्माण करें जिससे कृत्रिम रूप से बनाये जा रहे दूध व अन्य पदार्थों को तत्काल रूप से बन्द करवायें, और दुधारू पशुओं को पालने पर जोर दें।
5. सरकार को चाहिये कि दूग्ध के वास्तविक उत्पादन पर ध्यान दे और प्रत्येक गॉव व शहरों में आवश्यक रूप से दुधारू पशुओं के पालन पोषण को जरूरी बनाये।
6. सरकार को चाहिये कि भारत में यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार का उद्योग स्थापित करना चाहता है, तो उस व्यक्ति को पर्यावरण के लिए साथ साथ देशी दुग्ध उत्पादन के लिए भी एक ईकाई स्थापित करे। साथ ही सरकार द्वारा ये भी निर्धारित किया जाना चाहिये कि प्रत्येक माह में दुग्ध की उत्पादन क्षमता कितनी हो, उसके बाद ही किसी भी संस्था, विश्वविद्यालय, कम्पनियों को मान्यता प्रदान की जावे।
7. विधायिका एवं संसद द्वारा कानूनों का निर्माण करते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि प्रावधानों का उल्लंघन करने वालो पर कड़ी कार्यवाही हो एवं दोषी को ही सजा मिले और इतनी सजा मिलें जिससे मिलावट करने वाले लोग दुबारा से ये कार्य न करें।

संदर्भ सूचीः

---

[1] AIR 1987 SC 990

[2] AIR 1955 SC 922

[3] नरेन्द्र कुमारः भारतीय संविधानः इलाहाबाद लॉ एजेन्सी, 9वॉ संस्करण 2015, पेज न. 523।